Chetna Vichaardhara (Hindi)
(Gorakhpur Ed.)
March 27, 2018
Pg.3

EDII

ग्रामीण इलाकों में बस में चलेगी स्वरोजगार क्लास

केवल सरकार नहीं दूर कर सकती बेरोजगारी, निजी संस्थाओं व स्वरोजगार से दूर होगी बेरोजगारी

गोरखपुर। स्वरोजगार के प्रशिक्षण के लिए केन्द्रों पर नहीं पहुंच पाने वाले सुदूर ग्रामीण इलाकों के युवक युवतियों के लिए ईडीआईआई ने ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जिसके तहत बस से स्वरोजगार की क्लास इन इलाकों तक पहुंचेगी। तीस घण्टे की कक्षा लगाकर इच्छुक युवाओं को स्वरोजगार के लिए ट्रेंड करेगी। युवाओं को स्वरोजगार के लिए वित्तीय मदद आदि की भी जानकारी दी जायेगी।

यह जानकारी इंटरप्रेन्योर डेवलपमेंट इंस्टीच्यूट आफ इंडिया (ईडीआईआई) अहमदाबाद के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ला ने बातचीत में दी। डीडीयू के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार का उद्घाटन करने पहुंचे प्रो. शुक्ला ने बताया कि पूरे देश मे कई जगह ईडीआईआई के केन्द्र हैं।

ईडीआईआई ने एचपी वर्ल्ड आन व्हील्स नामक प्रोजेक्ट शुरू किया है। पहले चरण में इसके लिए जिन पांच राज्यों को चुना गया है, उसमें उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश शुमार है। अगले चरण में बिहार, महाराष्ट्र और एक अन्य राज्य में यह प्रोजेक्ट शुरू होगा। ईडीआईआई ने एचपी कम्पनी की मदद से एक ऐसा बस डिजाइन किया है जिसमें बीस कम्प्यूटर वाली क्लास का इंतजाम है। इसमें उद्यमिता विकास संबंधित कई तरह के उपकरण भी लगे हुए हैं। हर बस पर कम से कम दो ट्रेनर हैं।

यह बसें राज्यों के सुदूर ग्रामीण इलाकों तक पहुंच कर युवाओं को स्वरोजगार के लिए ट्रेनिंग देगी। डिजिटली साक्षरता व उद्यमिता विकास इसका उद्देश्य है। जिन इलाकों में बस नहीं पहुंच पायेगी वहां के लोगोंकी इच्छा पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए भी ट्रेनिंग देने की सुविधा है।

ट्रेनर प्रशिक्षण लेने वालों को वित्तीय मदद लेने के उपाय भी बतायेंगे और इसके नफे नुकसान से भी वाकिफ करायेंगे। इन बसों में आधार की वैरीफिकेशन या अपडेशन की सुविधा होगी। हर युवा के लिए 30 घण्टे की कक्षा का टाइम सेट किया गया है। बस में ही सभी प्रकार की ट्रेनिंग दी जायेगी।

चार साल में उद्यमिता क्षेत्र के बदली है तस्वीर

प्रो. शुक्ला ने बताया कि चार साल में देश में उद्यमिता विकास के मामले में तस्वीर बदली है। पहले टोटल इन्टरप्रन्योर इंडेक्स छह प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 10 प्रतिशत पहुंच गया है। बीते दो सालो मे पीएम की मुद्रा योजना से कुल 3.78 करोड़ लोग लाभान्वित हुए हैं। इनमें महिलाओं की भागीदारी करीब 78 फीसदी थी।

देश में महिला उद्यमिता को बढावा देने के लिए एसओएचओ (स्लाम आफिस होम आफिस) का कांस्पेट दिया गया है। इस मामले में हम वियतनाम व सिंगापुर जैसे छोटे देशों से भी काफी पीछे है।